web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 05 नवंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 37

उत्तराखंड में अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, 22 की मौत

अल्मोड़ा । आरएनएस

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां सल्ट तहसील के मारचूला स्थित कूपी गांव के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई। बस में कुल 40 यात्री सवार थे। पुलिस प्रशासन ने रेस्क्यू का काम तेज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह रामनगर से एक बस रानीखेत की ओर को जा रही थी। बस में 40 यात्री सवार थे। सल्ट के कूपी के पास चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया देखते ही देखते बस गहरी खाई में समा गई। बस के गिरते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

हादसे के वक्त कुछ यात्री बाहर गिर पड़े। जख्मी यात्रियों ने सुबह करीब 9 बजे कंट्रोल रूम को सूचना दी। आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल ने बताता की सल्ट और रानीखेत से टीमों को घटनास्थल भेजा गया है। जिस जगह यह हादसा हुआ है वह पौड़ी-अल्मोड़ा सीमा के नजदीक है। यह जगह रामनगर के नजदीक है। इस संबंध में डीसी आलोक कुमार पांडे ने बताया कि एंबुलेंस भेज दी गयी है। एसडीएम व पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए हैं। राहत बचाव का तेजी से किया जा रहा है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जाहिर करते हुए कहा, 'जनपद अल्मोड़ा के मार्चुला में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बस दुर्घटना में यात्रियों के हताहत होने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। जिला प्रशासन को तेजी से साथ राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। घटना स्थल पर स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें घायलों को निकालकर उपचार के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने हेतु तेजी से कार्य कर रही हैं। आवश्यकता पडने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं।'

मिग-29 क्रैश, वायुसेना ने कहा, सिस्टम में आई खराबी, जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली । आरएनएस

भारतीय वायुसेना का एक मिग विमान सोमवार को क्रैश हो गया। यह विमान दुर्घटना, सोमवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में हुई। हालांकि, दुर्घटना के दौरान पायलट सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे।

वहीं, दुर्घटना किन कारणों से हुई, इसको लेकर जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस संदर्भ में आधिकारिक जानकारी देते हुए इंडियन एयर फोर्स ने बताया, भारतीय वायुसेना का एक मिग-29 विमान सोमवार को नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सिस्टम में खराबी के कारण आगरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहे। पायलट ने विमान से निकलने से पहले सूझबूझ दिखाते हुए यह सुनिश्चित किया कि इस विमान हादसे के कारण जमीन पर जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान न हो। दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए वायुसेना द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

विमान क्रैश होने के समय उसमें 2 पायलट मौजूद थे। पायलट व को-पायलट दोनों ने आग लगने के कुछ ही सेकेंड बाद एयरक्राफ्ट से इजेक्ट कर लिया। विमान से निकलने के बाद इंडियन एयर फोर्स के इन दोनों पायलटों ने करीब 2 किलोमीटर दूर पैराशूट के जरिए लैंडिंग की। यह हादसा आगरा के कागारौल इलाके में सोनिगा गांव के पास हुआ। यहां सोमवार दोपहर विमान में तकनीकी खराबी आ गई। जब विमान क्रैश होने लगा तो उसमें मौजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाई और इसके कारण विमान खाली खेत में जाकर गिरा।

बताया जा रहा है कि जमीन पर गिरते ही भारतीय वायु सेना के विमान में आग लग गई। विमान में लगी आग काफी तेजी से फैली, हालांकि वायु सेना ने यह पुष्टि की है कि इस हादसे में किसी के भी जीवन की हानि नहीं हुई है।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना के इस मिग-29 लड़ाकू विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी। यह विमान एक सामान्य अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ। घटनास्थल पर जलते हुए फाइटर जेट देख जल्द ही स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

महत्वपूर्ण एवं खास

झारखंड के सरायकेला में भीषण सड़क हादसा, 3 लोगों की मौत

सरायकेला (आरएनएस)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में काला पत्थर गांव के पास रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक ट्रेलर और 407 के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर का चालक जिंदा जल गया और 407 के चालक और कंडक्टर की भी मौत हो गई। इसके अलावा हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों वाहनों की गति इतनी तेज थी कि टक्कर होते ही ट्रेलर में आग लग गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों की भी पहचान करने की कोशिश की जा रही है ताकि उनके परिवार को सूचना दी जा सके। हादसे के बाद सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी।

अमरोहा में तेज रफ्तार कार की ट्रक से भिड़ंत, एक की मौत

अमरोहा (आरएनएस)। यूपी के अमरोहा के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के एनएच-9 पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार कार गजरौला क्षेत्र में एनएच-9 पर चल रही थी। कार की गति तेज होने की वजह से चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे ट्रक में जा टकराई। हादसे में कार की एक साइड का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद ट्रक चालक घटनास्थल पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। खबर लिखे जाने तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो पाई है।

पठानकोट के बामियाल सेक्टर में खेत में मिला ड्रोन, बीएसएफ ने की सर्च ऑपरेशन की शुरुआत

पठानकोट (आरएनएस)। पठानकोट के सीमावर्ती क्षेत्र बामियाल सेक्टर के अख्वाड़ा गांव में एक किसान के खेत में संदिग्ध ड्रोन मिलने से हड़कंप मच गया। यह ड्रोन भारत-पाक सीमा से करीब 2 किलोमीटर की दूरी पर गांव के एक व्यक्ति को गन्ने के खेत में पड़ा हुआ दिखाई दिया। गांववासियों ने तुरंत इसकी सूचना सीमा सुरक्षा बल के जवानों को दी, जिसके बाद बीएसएफ ने इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। बीएसएफ की टीम ने आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी ली, लेकिन अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। ड्रोन के मिलने से सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है, और सुरक्षा बलों ने निगरानी और सख्त कर दी है। बीएसएफ द्वारा यह जांच की जा रही है कि ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से किसी प्रकार की अवैध गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश तो नहीं की गई है।

पत्नी के सामने बोल दिया अंकल, दोस्तों संग मिलकर ग्राहक ने दुकानदार को बुरी तरह पीटा

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के भोपाल में एक मामला सामने आया है जहां एक दुकानदार को सिर्फ इसलिए पीटा गया क्योंकि उसने एक ग्राहक को उसकी पत्नी के सामने अंकल कह दिया। यह घटना शहर के जाटखेड़ी इलाके में हुई। पीड़ित दुकानदार विशाल शास्त्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शास्त्री के अनुसार, शनिवार को रोहित नाम का एक ग्राहक अपनी पत्नी के साथ साड़ी खरीदने आया था। जब विशाल ने रोहित से 1000 रुपये के बजट में साड़ियां दिखाने की बात कही तो रोहित ने आपत्ति जताई और विशाल को अंकल कहने पर फटकार लगाई।

यूपी कैबिनेट में 27 प्रस्तावों को मंजूरी, महाविद्यालय में न्यूनतम तैनाती को पांच वर्ष से घटाकर किया तीन वर्ष

लखनऊ । आरएनएस

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में 27 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सहायता प्राप्त महाविद्यालय अध्यापक स्थानांतरण नियमावली 2024 को मंजूरी देते हुए महाविद्यालय में न्यूनतम तैनाती को पांच वर्ष को घटाकर तीन वर्ष किया गया। बैठक में हुए फैसलों की जानकारी वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने दी।

उन्होंने बताया कि सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर निर्णय लिया गया। शिक्षक अब पांच वर्ष की न्यूनतम सेवा की जगह सिर्फ तीन साल बाद ही स्थानांतरण करवा सकेंगे। उन्होंने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग हेतु नियमावली उत्तर प्रदेश सहायता प्राप्त महाविद्यालय अध्यापक स्थानांतरण नियमावली 2024 को मंजूरी दी गई है। महाविद्यालय में न्यूनतम तैनाती को 5 वर्ष से घटाकर 3 वर्ष किया गया व यूपी में निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2019 में संशोधन को हरी झंडी मिली।

वहीं अन्य प्रदेशों के शिक्षण संस्थाओं को प्रदेश में स्थापित होने का अवसर भी मिलेगा। लखनऊ में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर की स्थापना हेतु तहसील सरोजिनी नगर में चकरौली परगना बिजनौर में 2.3239 हेक्टेयर भूमि को चिन्हित कर उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि मध्य गंगा नहर परियोजना के द्वितीय चरण पुनरीक्षण प्रस्ताव को मंजूरी से संभल, अमरोहा व मुरादाबाद के 1850 ग्राम लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही ललितपुर में भौरट बांध परियोजना के द्वितीय पुनरीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वहीं केन बेतवा लिंक परियोजना हेतु प्रस्ताव को स्वीकृति से बुंदेलखंड के सूखाग्रस्त क्षेत्र को लाभ प्राप्त होगा।

छठ पूजा : दिल्ली से चलायी जा रही 195 विशेष ट्रेन, स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था

नई दिल्ली । आरएनएस

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कहा कि छठ पूजा उत्सव के मद्देनजर भारतीय रेलवे इस साल दिल्ली क्षेत्र से 13 दिनों में 195 विशेष ट्रेनें चला रहा है।

इस पहल का उद्देश्य त्योहार के दौरान यात्रियों की भीड़ को सुविधाजनक बनाना है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने छठ पूजा की भीड़ के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों से भी बातचीत की।

भारतीय रेलवे ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह छठ पूजा के लिए यात्रियों की उनके गृहनगर तक सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में विशेष ट्रेनें चलाएगा।

रेलवे बोर्ड के सूचना और प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा कि भारतीय रेलवे ने गुरुवार को 160 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया और रविवार को 170 से अधिक ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है।

दिलीप कुमार ने आगे कहा कि नई दिल्ली, आनंद विहार, अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा, मुंबई, बांद्रा, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि, छठ पूजा के दौरान अपने गृहनगर जाने वाले लोगों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। हम भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए कई ट्रेनें चला रहे हैं। कल हमने 160 से ज्यादा ट्रेनें चलाई और आज हमारी योजना 170 से ज्यादा ट्रेनें चलाने की है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों को तैनात किया गया है और यात्रियों की किसी भी तरह की मदद के लिए रेल सेवक मौजूद हैं। विशेष ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं और लोगों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए स्टेशनों पर सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

कुमार ने कहा, टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सिस्टम से बुक किए जा सकते हैं। जो लोग कन्फर्म टिकट प्राप्त करने में असमर्थ हैं, वे अनारक्षित सीटों का उपयोग कर सकते हैं। हमने यात्रियों की अनावश्यक आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया है। वरिष्ठ और शारीरिक रूप से विकलांग नागरिकों की सहायता के लिए रेल सेवक मौजूद हैं।

छठ एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार सहित भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में मनाया जाता है। छठ पूजा सूर्य देव को समर्पित एक हिंदू त्योहार है। इसमें पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए सूर्य को धन्यवाद देने के लिए अनुष्ठान और प्रार्थना शामिल है।

महाकुंभ 2025 : श्रद्धालुओं की मुराद होगी पूरी, इसी माह पूर्ण होगा मंदिरों का कायाकल्प

प्रयागराज । आरएनएस

सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 में आस्था अपने चरम पर होगी। गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन वाले पावन स्थल संगम पर जहां लाखों, करोड़ों लोग स्नान कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे तो वहीं प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में शीश नवाकर अपनी यात्रा को सुखमय और संपूर्ण बनाएंगे।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ की तैयारियों के साथ-साथ प्रयागराज के मंदिरों के कायाकल्प का भी बीड़ा उठाया है, जो अब समापन के करीब पहुंच गया है। पौराणिक महत्ता वाले प्रयागराज के तमाम मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य लगभग खत्म होने वाला है। ऐसी कुल 19 परियोजनाओं में से 17 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि 2 परियोजनाएं 30 नवंबर तक पूर्ण हो जाएंगी।

दीपावली के बाद इसमें और तेजी से कार्य किया जा रहा है। हाल ही में लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा महाकुंभ की समीक्षा बैठक में इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। इसमें बताया गया कि मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाओं में तीन प्रमुख विभाग कार्य कर रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग, स्मार्ट सिटी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। तीनों ही विभाग आपसी समन्वय से इन सभी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में जुट गए हैं।

मंदिर कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित कुल 15 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिस पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार, 15 में से 14 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में भारद्वाज कॉरिडोर, मनकामनेश्वर मंदिर कॉरिडोर समेत द्वादश माधव मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर और 9 अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार शामिल है।

इसी तरह, स्मार्ट सिटी 3 प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है और तीनों ही परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण हो जाएंगी। इसमें अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। वहीं, प्रयागराज विकास प्राधिकरण दो परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। इसमें नागवासुकी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है तो वहीं हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य 10 दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

अपर मेलाधिकारी, महाकुंभ विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से आगे बढ़ रही हैं। मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य भी अंतिम चरण में चल रहा है। मेला प्रशासन ने महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आस्था के साथ ही सुविधा पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि उनकी यात्रा यादगार साबित हो।

उदयपुर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने बाइक सवार परिवार को रौंदा, बाप-बेटी और चाचा की मौके पर मौत

उदयपुर । आरएनएस

उदयपुर में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में बाप-बेटी और चाचा की जान चली गई। यह घटना गोगुंदा थाना क्षेत्र में उदयपुर-पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर हुई, जहाँ तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों 15 फीट हवा में उछलते हुए डिवाइडर से टकरा गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हादसे में मारे गए आसूराम (25), उनकी 3 साल की बेटी पिंटा और आसूराम का छोटा भाई वालूराम (24) झालों का गुड़ा गाँव के निवासी थे। हादसे के समय आसूराम अपने ससुराल से अपनी बेटी को लेकर लौट रहे थे, उनके साथ उनके छोटे भाई भी थे। जैसे ही वे नेशनल हाईवे पर घसियार मंदिर के पास पहुंचे, तभी तेज गति से आ रही फॉर्च्यूनर ने बाइक को टक्कर मार दी।

ड्राइवर मौके से फरार, पुलिस ने शुरू की तलाश- हादसे के बाद कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार के नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गोगुंदा थाना एसआई गोपाल सिंह ने बताया कि यह कार गुजरात नंबर की थी। पुलिस का कहना है कि वे जल्द से जल्द आरोपी ड्राइवर की गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं।

मृतकों के शव गोगुंदा सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए गए हैं और परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

नहाय खाय से शुरू हो रहा है छठ पूजा का पहला दिन, उषा अर्घ्य, पारण के साथ 8 नवम्बर को होगी समाप्ति

नई दिल्ली । आरएनएस

दीपावली के बाद पडने वाले महापर्व छठ पूजा का प्रारंभ कल 5 नवम्बर से होने वाला है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व का श्रद्धालु बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार करते हैं। छठ पूजा का यह त्यौहार भगवान सूर्य देव और छठी मईया को समर्पित है। इस दिन महिलाएं जल में खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देती हैं और अपनी संतान, परिवार की मंगल कामना के लिए प्रार्थना करती हैं। छठ पूजा के पावन अवसर पर भगवान सूर्य की आराधना करने से समृद्धि एवं प्रगति की प्राप्ति होती है और मनुष्य का कल्याण होता है। छठ पूजा को सूर्य षष्ठी, डाला छठ, छठ पर्व, डाला पूजा आदि नामों से जाना जाता है।

आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को इस बात की जानकारी देने जा रहे हैं कि छठ पूजा प्रारम्भ कब से होने जा रहा है और इस पर्व की समाप्ति कब होगी।

छठ पूजा 2024 कैलेंडर

छठ पूजा पहला दिन- नहाय खाय- 5 नवंबर 2024

छठ पूजा दूसरा दिन- खरना- 6 नवंबर 2024

छठ पूजा तीसरा दिन- संध्या अर्घ्य- 7 नवंबर 2024

छठ पूजा चौथा दिन- उषा अर्घ्य, पारण- 8 नवंबर 2024

छठ पूजा का पहला दिन- नहाय खाय- महापर्व छठ पूजा का आरंभ नहाय खाय के साथ होता है। इस दिन व्रती महिलाएंभोर में उठकर स्नान आदि कर नए वस्त्र पहल सूर्य देव को जल अर्पित करती हैं। इसके बाद सात्विक आहार ग्रहण कर अपने व्रत को शुरू करती हैं। नहाय खाय के दिन कद्दू की सब्जी, लौकी चने की दाल और भात यानी चावल खाया जाता है। नहाया खाय का भोजन बिना लहसुन और प्याज के सात्विक तरीके से तैयार किया जाता है। व्रती के खाने के बाद ही परिवार के अन्य लोग नहाय खाय का खाना खा सकते हैं। नहाय खाय के दिन यानी 5 नवंबर को सूर्योदय सुबह 6 बजकर 36 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 5 बजकर 33 पर।

छठ पूजा का दूसरा दिन- खरना- छठ पूजा के दूसरे दिन आता है खरना। इस दिन व्रती महिलाएं पूरा दिन व्रत करती हैं और फिर रात के समय खीर प्रसाद ग्रहण करती हैं। खरना के बाद से ही व्रती महिलाओं का 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ हो जाता है। छठ व्रत का पारण उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही खोला जाता है। वहीं बता दें कि खरना के दिन गुड़, चावल और दूध की खीर बनाई जाती है। इस दिन व्रत रखने वाली महिला या पुरुष को नमक का सेवन नहीं करना होता है। खरना के दिन यानी 6 नवंबर को सूर्योदय सुबह 6 बजकर 37 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 5 बजकर 32 पर।

छठ पूजा का तीसरा दिन- संध्या अर्घ्य- छठ पूजा के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जिसे संध्या अर्घ्य के नाम से भी जाना जाता है। संध्या अर्घ्य 7 नवंबर 2024 को दिया जाएगा। 7 नवंबर यानी छठ पूजा के दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 38 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 5 बजकर 32 मिनट पर होगा।

छठ पूजा का चौथा दिन- उषा अर्घ्य- छठ पूजा के चौथे और आखिरी दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जिसे उषा अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं भोर के समय जल में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देती हैं। अर्घ्य के बाद इसी दिन व्रती महिलाएं छठ व्रत का पारण करती हैं। उषा अर्घ्य 8 नवंबर 2024 को दिया जाएगा। 8 नवंबर यानी छठ पूजा उषा अर्घ्य के दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 38 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 5 बजकर 31 मिनट पर होगा। नोट—यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित है। इसका कोई भी वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। खास खबर डॉट कॉम एक भी बात की सत्यता का प्रमाण नहीं देता है।